Roll No.----------------------

O.M.R. Serial No. | | | | | | | | |

प्रश्नपुस्तिका क्रमांक Question Booklet No.

प्रश्नपुस्तिका सिरीज Question Booklet Series **C**

B.A.LL.B (Eighth Semester) Examination, January-2022

B.A.LL.B803 (PAPER-III)

CIVIL PROCEDURE CODE- II

(INCLUDING LIMITATION ACT)

Time : 1:30 Hours **Maximum Marks-100**

जब तक कहा न जाय, इस प्रश्नपुस्तिका को न खोलें

निर्देश : –

1. परीक्षार्थी अपने अनुक्रमांक, विषय एवं प्रश्नपुस्तिका की सिरीज का विवरण यथास्थान सही– सही भरें, अन्यथा मूल्यांकन में किसी भी प्रकार की विसंगति की दशा में उसकी जिम्मेदारी स्वयं परीक्षार्थी की होगी।
2. **इस प्रश्नपुस्तिका में 100 प्रश्न हैं, जिनमे से केवल 75 प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थियों द्वारा दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर प्रश्न के नीचे दिये गये हैं। इन चारों में से केवल एक ही उत्तर सही है। जिस उत्तर को आप सही या सबसे उचित समझते हैं, अपने उत्तर पत्रक (O.M.R. ANSWER SHEET)में उसके अक्षर वाले वृत्त को काले या नीले बाल प्वांइट पेन से पूरा भर दें। यदि किसी परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित प्रश्नों से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिये जाते हैं तो उसके द्वारा हल किये गये प्रथमतः यथा निर्दिष्ट प्रश्नोत्तरों का ही मूल्यांकन किया जायेगा।**
3. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आप के जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
4. सभी उत्तर केवल ओ०एम०आर० उत्तर पत्रक **(O.M.R. ANSWER SHEET)** पर ही दिये जाने हैं। उत्तर पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
5. ओ०एम०आर० उत्तर पत्रक **(O.M.R. ANSWER SHEET)** पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाय।
6. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी प्रश्नपुस्तिका बुकलेट एवं ओ०एम०आर० शीट पृथक–पृथक उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें।
7. निगेटिव मार्किंग नहीं है।

372

महत्वपूर्ण : – **प्रश्नपुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जॉच कर देख लें कि प्रश्नपुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभॉति छपे हुए हैं। यदि प्रश्नपुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्ष निरीक्षक को दिखाकर उसी सिरीज की दूसरी प्रश्नपुस्तिका प्राप्त कर लें।**

1. The period of Limitation for filing of suit on the basis of Promissory note from the date of it's execution is -
   (A) 03 years
   (B) 06 years
   (C) 02 years
   (D) 04 years

1. निष्पादन की तारीख से वचनपत्र के आधार पर वाद दायर करने की परिसीमा अवधि है –
   (A) 03 वर्ष
   (B) 06 वर्ष
   (C) 02 वर्ष
   (D) 04 वर्ष

2. Limitation for filing suit for recovery of money is -
   (A) 05 years
   (B) 03 years
   (C) 01 year
   (D) 10 years

2. धन की वसूली के लिये/वाद दायर करने की परिसीमा है –
   (A) 05 वर्ष
   (B) 03 वर्ष
   (C) 01 वर्ष
   (D) 10 वर्ष

3. In England for personal Cases Law of Limitation was enacted in -
   (A) 1623
   (B) 1721
   (C) 1859
   (D) 1913

3. इंग्लैण्ड में व्यक्तिगत वादों के लिये परिसीमा विधि का निर्धारण (निरूपण) किया गया –
   (A) 1623
   (B) 1721
   (C) 1859
   (D) 1913

4. There was no any law of Limitation in India before.
   (A) 1811
   (B) 1859
   (C) 1911
   (D) 1949

4. भारत में .... के पूर्व परिसीमा सम्बंधी कोई विधि नही थी।
   (A) 1811
   (B) 1859
   (C) 1911
   (D) 1949

5. The Plea of Limitation Can be raised _______ of a case.

(A) Primary Stage only
(B) Before evidence only
(C) Before Judgement
(D) At any Stage

5. किसी वाद में परिसीमा की याचिका दायर की जा सकती है –

(A) केवल प्राथमिक अवस्था में/सोपान में
(B) केवल साक्ष्य के पूर्व
(C) निर्णय के पूर्व
(D) किसी भी अवस्था/सोपान में

6. No revision lies against an order passed by ______ of the High Court.

(A) Single Judge
(B) Full Bench of Judges
(C) (A) & (B) Both
(D) Either (A) or (B)

6. उच्च न्यायालय के .... द्वारा पारित आदेश के विरूद्ध कोई पुनरीक्षण नही होता –

(A) एकल न्यायाधीश
(B) न्यायाधीशों की पूर्ण बेंच
(C) (A) और (B) दोनो
(D) या तो (A) या (B)

7. Procedure of review in certain circumstance defined in -

(A) Section 121
(B) Order 47
(C) Section 47
(D) Order 121

7. कुछ परिस्थितियों में पुनर्विलोकन की प्रक्रिया वर्णित है, अन्तर्गत –

(A) धारा 121
(B) आदेश 47
(C) धारा 47
(D) आदेश 121

8. Revisional Jurisdiction of High court is described in -

(A) Section115
(B) Section 125
(C) Section 135
(D) Section 145

8. उच्च न्यायालय का पुनरीक्षण क्षेत्राधिकार वर्णित है, अन्तर्गत –

(A) धारा 115
(B) धारा 125
(C) धारा 135
(D) धारा 145

9. Which Section _____ of the C.P.C. empowers a subordinate court to state a case and refer the same for the opinion of the High Court ?

(A) Section 111
(B) Section 113
(C) Section 104
(D) All of above

9. सी0 पी0 सी0 की कौन सी धारा एक अधीनस्थ न्यायालय को किसी वाद को स्थिर करने और उसे उच्च न्यायालय की राय के लिये सन्दर्भित करने का अधिकार देती है ?

(A) धारा 111
(B) धारा 113
(C) धारा 104
(D) उपरोक्त सभी

10. An Appeal would lie to supreme court under ______ of the C. P. C.

(A) Section 105
(B) Section 109
(C) Section 113
(D) All of above

10. उच्चतम न्यायालय में अपील होगी अन्तर्गत धारा .... सी0 पी0 सी0

(A) धारा 105
(B) धारा 109
(C) धारा 113
(D) उपरोक्त सभी

11. "Appeals from order' are defined in _______ of C. P. C.

(A) Section 104
(B) Section 108
(C) Order 43
(D) All of above

11. "आदेशों की अपील" वर्णित है, सी0 पी0 सी0 में अन्तर्गत ....

(A) धारा 104
(B) धारा 108
(C) आदेश 43
(D) उपरोक्त सभी

12. Section of C.P.C. deal with second appeals is/are -

(A) Section 100
(B) Section 103
(C) Section107
(D) All of above

12. द्वितीय अपील से सम्बंधित सी0 पी0 सी0 की धारा है –

(A) धारा 100
(B) धारा 103
(C) धारा 107
(D) उपरोक्त सभी

13. According to Limitation Act 1963, an appeal against a order can be filedin a court other than high court with in _____ from the date of order.
(A) 30 Days
(B) 60 Days
(C) 90 Days
(D) 180 Days

13. परिसीमा अधिनियम 1963 के अनुसार, किसी आदेश के विरूद्ध अपील, उच्च न्यायालय के अलावा किसी अन्य न्यायालय में आदेश की दिनांक से .... के अन्दर दायर की जा सकती है।
(A) 30 दिनों
(B) 60 दिनों
(C) 90 दिनों
(D) 180 दिनों

14. According to limitation Act 1963, an appeal against a decree can be filedin High Court within ____from the date of decree.
(A) 30 Days
(B) 60 Days
(C) 90 Days
(D) 180 Days

14. परिसीमा अधिनियम 1963 के अन्तर्गत, डिक्री के खिलाफ अपील, डिक्री की दिनांक से .... के अन्दर उच्च न्यायालय मे दायर की जा सकती है।
(A) 30 दिनों
(B) 60 दिनों
(C) 90 दिनों
(D) 180 दिनों

15. A suit under ___ of the code is of a special nature for the Protection of Public rights in public trusts & Charities.
(A) Section 86
(B) Section92
(C) Section 113
(D) All of above

15. सार्वजनिक ट्रस्टों तथा धमार्थ संस्थाओं में सार्वजनिक अधिकारों की सुरक्षा के लिये संहिता की धारा .... के अन्तर्गत दायर वाद विशेष प्रकृति का होता है।
(A) धारा 86
(B) धारा 92
(C) धारा 113
(D) उपरोक्त सभी

16. "Right of Appeal" is defined in ____ of C. P. C.
(A) Section 91
(B) Section 96
(C) Section 101
(D) Section 141

16. "अपील का अधिकार" वर्णित है सी0 पी0 सी0 मे अन्तर्गत ....
(A) धारा 91
(B) धारा 96
(C) धारा 101
(D) धारा 141

17. Right of "Appeal" is a -
(A) Natural right
(B) Inherent right
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

18. Doctrine of "cy Pres" is related to -
(A) Inter pleader suits
(B) Summary suits
(C) Suits relating to Public trust
(D) Suits relating to Public nuisance

19. The Expression "Public Nuisance" has been defined _____ in code.
(A) Section 47
(B) Order 11
(C) Section 91
(D) None of above

20. As per section _____ of C. P. C. "Every person residing in a country which is at war with India a shall be deemed to be an Indian enemy".
(A) Section83
(B) Section 86
(C) Section89
(D) Section 92

17. 'अपील' का अधिकार है, एक –
(A) प्राकृतिक अधिकार
(B) जन्मसिद्ध (अन्तर्निहित) अधिकार
(C) (A) और (B) दोनो
(D) उपरोक्त मे कोई नही

18. "साई प्रेस" का सिद्धान्त सम्बंधित है –
(A) अन्तराभिवाची वादों से
(B) सारांश वादों से
(C) लोक न्यास से सम्बंधित वादों से
(D) लोक न्यूसेंस (उपताप) से सम्बंधित वादों से

19. पद/अभिव्यक्ति "लोक न्यूसेंस" संहिता में वर्णित है, अन्तर्गत .... ।
(A) धारा 47
(B) आदेश 11
(C) धारा 91
(D) उपरोक्त मे कोई नही

20. सी0 पी0 सी0 की धारा.......... के अनुसार "भारत के साथ युद्धरत देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भारतीय शत्रु माना जायेगा।"
(A) धारा 83
(B) धारा 86
(C) धारा 89
(D) धारा 92

21. In the Case of Public Nuisance suit can be instituted under ____ of the C. P. C.

(A) Section 91

(B) Order 35

(C) Section 47

(D) Order 11

21. लोक न्यूसेंस की स्थिति में, वाद दायर किया जा सकता है अन्तर्गत .... सी0 पी0 सी0–

(A) धारा 91

(B) आदेश 35

(C) धारा 47

(D) आदेश 11

22. In a Mortage suit, the code makes Provisions for payment of -

(A) Costs

(B) Mesne Profits

(C) Interest

(D) All of above

22. एक बंधक वाद में, संहिता प्रावधानित करती है .... अदायगी को –

(A) हानि मूल्य की

(B) मध्यवर्ती लाभ की

(C) ब्याज की

(D) उपरोक्त सभी

23. Suits relating to mortgages of Immovable property are defined in ________ of C. P. C.

(A) Section 47

(B) Order 34

(C) Section 34

(D) Order 47

23. अचल सम्पत्ति के (गिरवी)या बंधक से सम्बंधित वादो को परिभाषित किया गया है, सी0 पी0 सी0 मे अन्तर्गत –

(A) धारा 47

(B) आदेश 34

(C) धारा 34

(D) आदेश 47

24. Who can file inter pleader suit ?

(A) Agent to his principal

(B) Tenant to dispute the title of his landlord

(C) (A) & (B) Both

(D) None of above

24. कौन अन्तराभिवाची वाद दायर कर सकता है?

(A) अभिकर्ता (एजेंट) अपने स्वामी पर

(B) किरायेदार अपने मकान मालिक के मालिकाना पर विवाद करने के लिये।

(C) (A) और (B) दोनों

(D) उपरोक्त मे कोई नही

25. In an Inter pleader suit, dispute is between -
(A) Plaintiff and defendant
(B) Defendants
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

25. एक अन्तराभिवाची वाद मे, विवाद होता है, ... के मध्य में।
(A) वादी तथा प्रतिवादी
(B) प्रतिवादियों
(C) (A) और (B) दोनो
(D) उपरोक्त मे कोई नही

26. Interpleader suit is defined in ______ of C. P. C.
(A) Section 88
(B) Order 35
(C) (A) & (B) Both
(D) Either (A) or (B)

26. अन्तराभिवाची वाद वर्णित है, सी0 पी0 सी0 मे अन्तर्गत –
(A) धारा 88
(B) आदेश 35
(C) (A) और (B) दोनो
(D) या तो (A) या (B)

27. For execution of a decree against a Partnership firm and for attachment of Partnership property provided in _____ of C. P. C.
(A) Sec 21
(B) Order 21 Rule 49
(C) Sec 51
(D) Order 51 Rule 49

27. एक साझेदारी फर्म के विरूद्ध एक डिक्री के निष्पादन के लिये तथा साझेदारी सम्पत्ति की कुर्की, सी0 पी0 सी0 में प्रावधानित है, अन्तर्गत–
(A) धारा 21
(B) आदेश 21 नियम 49
(C) धारा 51
(D) धारा 51 नियम 49

28. Case related to appearance by partners in a suit related to partnership firms is/are -
(A) Ramchandra Vs. Man Singh
(B) S. K. Sinha Vs. J. K. Jute Mills
(C) Mohatta Bros. Vs. Bharat Suryodaya Mills
(D) All of above

28. साझेदारी फर्म से सम्बंधित एक मुकदमे मे साझेदारों द्वारा उपस्थिति से सम्बंधित वाद है –
(A) रामचन्द्र बनाम मान सिंह
(B) एस0 के0 सिंहा बनाम जे0 के0 जूट मिल्स
(C) मेहता ब्रदर्स बनाम भारत सर्वोदय मिल्स
(D) उपरोक्त सभी

29. Suit by or against partnership firms is described in ____C. P.C.

(A) Section 30

(B) Order 30

(C) Section 98

(D) Order 98

29. साझेदारी फर्म द्वारा या उसके विरूद्ध वाद वर्णित है, सी0 पी0 सी0 मे ....

(A) धारा 30

(B) आदेश 30

(C) धारा 98

(D) आदेश 98

30. Case related to Suit against foreign Rule Ambassadors is/are -

(A) Harbhajan Singh Vs. Union of India

(B) Mohan Lal Vs. Sawai Man Singh

(C) Mirza Ali Akbar Vs. United Arab republic

(D) All of above

30. विदेशी शासको, राजदूतों के विरूद्ध मुकदमे से सम्बंधित वाद है/हैं –

(A) हरभजन सिंह बनाम भारत संघ

(B) मोहन लाल बनाम सवाई मान सिंह

(C) मिर्जा अली अकबर बनाम संयुक्त अरब गणराज्य

(D) उपरोक्त सभी

31. "Foreign State" means any State outside India which has been recognized by -

(A) U. N. O.

(B) Central Government

(C) Foreign Ministry

(D) All of above

31. "विदेशी राज्य" से तात्पर्य भारत के बाहर का कोई भी राज्य है जिसे मान्यता दी गयी है ...... द्वारा –

(A) संयुक्त राष्ट्र संघ

(B) केन्द्र सरकार

(C) विदेश मंत्रालय

(D) उपरोक्त सभी

32. Which section of C. P. C. is also related to suits by or against foreign Rulers, Ambassadors and envoys ?

(A) Section 84

(B) Section 87 (A)

(C) (A) & (B) Both

(D) Either (A) or (B)

32. सी0 पी0 सी0 की कौन सी धारा विदेशी शासकों, राजदूतों और दूतों के द्वारा या उनके विरूद्ध वादों से भी सम्बंधित है ?

(A) धारा 84

(B) धारा 87 (क)

(C) (A) और (B) दोनो

(D) या तो (A) या (B)

33. Suits by aliens are defined in section ______ of C. P. C.
(A) Section 82
(B) Section 83
(C) Section 84
(D) Section 91

33. अन्य देशीय द्वारा वादों को सी0 पी0 सी0 की धारा .... में वर्णित किया गया है।
(A) धारा 82
(B) धारा 83
(C) धारा 84
(D) धारा 91

34. Which amendment Act Clarifies that no suit instituted against the Government or Public officer shall be dismissed merely on the ground of error or defect in the Notice ?
(A) Amendment Act 1968
(B) Amendment Act 1976
(C) Amendment Act 2002
(D) Amendment Act 2015

34. किस संशोधन अधिनियम ने स्पष्ट किया कि केवल नोटिस में त्रुटि या कमी के आधार पर सरकारी या लोक अधिकारी के खिलाफ दायर कोई भी मुकदमा खारिज नहीं किया जायेगा ?
(A) संशोधन अधिनियम 1968
(B) संशोधन अधिनियम 1976
(C) संशोधन अधिनियम 2002
(D) संशोधन अधिनियम 2015

35. In which case court Highlighted the Purpose behind the provisions of Notice ?
(A) Bihari Chowdhary Vs. State of Bihar
(B) Amar Nath Vs. Union of India
(C) Bala Ji Vs. Ram Chandra
(D) All of above

35. किस वाद में न्यायालय ने नोटिस (समन) के प्रावधानों मे निहित उद्देश्यों पर प्रकाश डाला ?
(A) बिहारी चौधरी बनाम बिहार राज्य
(B) अमर नाथ बनाम भारत संघ
(C) बाला जी बनाम रामचन्द्र
(D) उपरोक्त सभी

36. Requirement of Notice, for the Suit instituted against the Government or Public officer is defined in section _______.
(A) Section 79
(B) Section 80
(C) Section 81
(D) Section 82

36. सरकारी या लोक अधिकारी के विरूद्ध वाद दाखिल करने हेतु नोटिस (समन) की आवश्यकता वर्णित है –
(A) धारा 79
(B) धारा 80
(C) धारा 81
(D) धारा 82

37. Suits by or against Government or Public officers is defined in -
(A) Section 79 to 82
(B) Order 27
(C) (A) & (B) Both
(D) Either (A) or (B)

37. सरकारी या लोक अधिकारी के विरूद्ध या उसके द्वारा वाद वर्णित है, ... में–
(A) धारा 79 से 82
(B) आदेश 27
(C) (A) और (B) दोनो
(D) या तो (A) या (B)

38. Maxim "dominus litis" is related to-
(A) Jurisdiction
(B) Institution of Suit
(C) Transfer of Case
(D) Suit against Public officers

38. सुक्ति "डोमिनस लिटिस" सम्बंधित है .... से–
(A) क्षेत्राधिकार
(B) वाद दाखिल करने
(C) वाद स्थानान्तरण
(D) लोक अधिकारी के विरूद्ध वाद

39. Case related awarded of costs after dismissal of transfer Application is/are -
(A) Dasarath Vs. Baijnath
(B) Maheshwari Prasad Vs. Rudra Pratap
(C) Manak Lal Vs. Premchand
(D) All of above

39. स्थानान्तरण प्रार्थनापत्र के खारिज होने के बाद हानि के अधिनिर्णय से सम्बंधित वाद हैं –
(A) दशरथ बनाम बैजनाथ
(B) माहेश्वरी प्रसाद बनाम रूद्र प्रताप
(C) मानकलाल बनाम प्रेमचन्द
(D) उपरोक्त सभी

40. An Application for the transfer of case can be made -
(A) Only after written Statement
(B) At the Primary Stage
(C) Only Before evidence
(D) At any stage

40. वाद के स्थानान्तरण के लिये आवेदन किया जा सकता है –
(A) केवल लिखित कथन के पश्चात
(B) केवल प्राथमिक अवस्था/स्तर पर
(C) केवल साक्ष्य के पूर्व
(D) किसी भी अवस्था/स्तर पर

41. When a court transfers a case suo motu, then notice is -
(A) Mandatory
(B) Not necessary
(C) Necessary
(D) None of above

41. जब एक न्यायालय एक वाद को स्वतः संज्ञान द्वारा स्थानान्तरित करता है तो नोटिस है –
(A) अनिवार्य
(B) आवश्यक नहीं
(C) आवश्यक
(D) उपरोक्त मे कोई नहीं।

42. To faciliate Justice is the _____ object of every procedural law.
(A) Primary
(B) Paramount
(C) (A) & (B) Both
(D) Either (A) or (B)

42. न्याय को सुगम बनाना प्रत्येक प्रक्रियात्मक कानून का .... लक्ष्य है।
(A) प्राथमिक
(B) प्रमुख
(C) (A) और (B) दोनों
(D) या तो (A) या (B)

43. Which is/are related to transfer of cases ?
(A) Section 09 to 13
(B) Section 22 to 25
(C) Section 41 to 47
(D) Section 151 to 153

43. वादों के स्थानान्तरण से क्या सम्बंधित है ?
(A) धारा 9 से 13
(B) धारा 22 से 25
(C) धारा 41 से 47
(D) धारा 151 से 153

44. Maxim "actus curiae neminem gravabit" is related to -
(A) Execution
(B) Restitution
(C) Appeal
(D) Transfer of case

44. सूक्ति "एक्टस क्यूरी नेमिनेम ग्रेवाविट" सम्बन्धित है –
(A) निष्पादन
(B) प्रत्यास्थापन
(C) अपील
(D) वाद का स्थानान्तरण

45. Form prescribed by the code for making an application for restitution -
(A) Form 16
(B) Form 21
(C) Form 05
(D) None of above

45. संहिता द्वारा प्रत्यास्थापन प्रार्थना पत्र/आवेदन पत्र हेतु निर्धारित फार्म (प्रारूप) है –
(A) फार्म 16
(B) फार्म 21
(C) फार्म 05
(D) उपरोक्त मे कोई नही

46. Section 144 Applies to -
(A) Parities
(B) Sureties only
(C) Either (A) or (B)
(D) (A) &(B) Both

46. धारा 144 लागू होती है –
(A) पक्षकारों पर
(B) केवल प्रतिभूतियों पर
(C) या तो (A) या (B)
(D) (A) और (B) दोनो

47. If the conditions described in C. P. C. are satisfied, the court must grant restitution, it is -
(A) Not discretionary
(B) Obligatory
(C) (A) & (B) Both
(D) Either (A) or (B)

48. In which case it was held that "the Jurisdiction to make restitution is inherent in every court and can be exercised whenever justice of the case demands." ?
(A) Jang Singh Vs. Brij Lal
(B) Kavita Trehan Vs. Balsara Hygeine Products Ltd.
(C) Binayaka Vs. Ramesh Chandra
(D) All of above

49. The expression "restitution" has been defined in code-under -
(A) Section 73
(B) Section 81
(C) Section 115
(D) None of above

50. Caveat Lodge under subsection (1) will remain inforce for _______ days from the date of its filing.
(A) 30
(B) 60
(C) 90
(D) 120

47. यदि सी0 पी0 सी0 में वर्णित दशाये/शर्ते संतुष्ट है तो न्यायालय को अवश्य ही प्रत्यास्थापन स्वीकृत करना चाहिये, ये............. है –
(A) विवेकाधीन नहीं
(B) अनिवार्य
(C) (A) और (B) दोनो
(D) या तो(A) या (B)

48. किस वाद में निर्धारित किया गया कि "प्रत्यास्थापन करने का अधिकार क्षेत्र प्रत्येक न्यायालय में निहित है तथा जब भी वाद में न्याय के लिए इसकी आवश्यकता होती है, तब इसका प्रयोग किया जा सकता है" ?
(A) जंग सिंह बनाम बृजलाल
(B) कविता त्रेहन बनाम बलसारा हाइजीन प्रोडक्ट्स लि0
(C) बिनायक बनाम रमेश चन्द्र
(D) उपरोक्त सभी

49. अभिव्यक्ति/पद "प्रत्यास्थापन" संहिता में वर्णित है, अन्तर्गत –
(A) धारा 73
(B) धारा 81
(C) धारा 115
(D) उपरोक्त में कोई नहीं

50. उप धारा (1) के अन्तर्गत दाखिल/दायर की गयी केवियट, इसके दाखिल होने की तारीख से .... दिनों तक लागू रहेगी –
(A) 30
(B) 60
(C) 90
(D) 120

51. From Prescribed under the C.P.C. for caveat is -
(A) From 5 (C)
(B) Form 5 (D)
(C) Form 11 (A)
(D) None of above

51. सी0 पी0 सी0 के अन्तर्गत केवियट के लिये निर्धारित फार्म (प्रारूप) है –
(A) फार्म 5 (ग)
(B) फार्म 5 (घ)
(C) फार्म 11 (क)
(D) उपरोक्त मे कोई नही।

52. Case related to "a person who is a stranger to the Proceeding cannot lodge a caveat" is/are -
(A) Chloride India Ltd. Vs. Ganesh Das
(B) Nirmal Chandra Vs. Girindra Narayan
(C) Chandrajit Vs. Ganeshiya
(D) All of above

52. "एक व्यक्ति जो कार्यवाही के लिये अजनबी/अपरिचित है, वह केवियट दर्ज नहीं कर सकता" से सम्बंधित वाद है –
(A) क्लोराइड इंडिया लि0 बनाम गणेश दास
(B) निर्मल चन्द्र बनाम गिरिन्द्र नारायन
(C) चन्द्रजीत बनाम गणेशिया
(D) उपरोक्त सभी

53. A Caveat Can be Lodged in a -
(A) Suit
(B) Proceeding
(C) (A) & (B) Both
(D) Either (A) or (B)

53. एक .... में एक केवियट दायर की जा सकती है।
(A) वाद
(B) कार्यवाही
(C) (A) और (B) दोनो
(D) या तो (A) या (B)

54. "Exdebitio Justitiae" is related to-
(A) Execution
(B) Appeal to Supreme Court
(C) Inherent Powers of Court
(D) Revision

54. "एक्सडेबिटियों जस्टिटिया" सम्बंधित है .... से–
(A) निष्पादन
(B) उच्चतम न्यायालय में अपील
(C) न्यायालयों की अन्तर्निहित शक्तियों
(D) पुनरीक्षण

55. Which section of C.P.C. Provides for Lodging of Caveat ?
(A) Section 148 (A)
(B) Section 148 (B)
(C) Section 151 (A)
(D) Section 151 (B)

55. सी0 पी0 सी0 की कौन सी धारा केवियट दायर करने से सम्बंधित है/प्रावधानित है ?
(A) धारा 148 (क)
(B) धारा 148 (ख)
(C) धारा 151 (क)
(D) धारा 151 (ख)

56. The term "Caveat" has been defined in Code _______ .
(A) Section 09
(B) Section 148
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

56. शब्द "केवियट" को संहिता मे परिभाषित किया गया है –
(A) धारा 09
(B) धारा 148
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपरोक्त मे कोई नही

57. The word "caveat" has been derived from ______ which means "Beware"-
(A) French
(B) German
(C) Latin
(D) American

57. शब्द "केवियट" .... से लिया गया है जिसका अर्थ है, "सावधान"–
(A) फ्रेंच
(B) जर्मन
(C) लैटिन
(D) अमेरिकन

58. Section related to amendment of Judgements Decrees, or decrees and records is/are -
(A) Section 152
(B) Section 153
(C) Section 153 (A)
(D) All of above

58. निर्णयों, डिक्री या डिक्री और अभिलेखों के संशोधन से सम्बंधित धारा है –
(A) धारा 152
(B) धारा 153
(C) धारा 153 (क)
(D) उपरोक्त सभी

59. The Inherent Powers of the court can be used to -
(A) Secure the ends of Justice
(B) Prevent the abuse of the process of a court
(C) (A) & (B) Both
(D) Either (A) or (B)

60. Which section of C.P.C is related to Payment of Court fees ?
(A) Section 141
(B) Section 144
(C) Section 149
(D) Section 163

61. In which section of code Enlargement of Time is defined ?
(A) Section 141
(B) Section 148
(C) Section 151
(D) Section 158

62. Case related to Inherent powers of the court is/are -
(A) Padamsen Vs. State of U.P.
(B) Manohar Lal Vs. Seth Hira Lal
(C) Ram Chand Vs. Kanhaiya Lal
(D) All of above

63. For term inherent Powers of courts, the code of civil procedure is a -
(A) Procedural Law
(B) Adjective Law
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

59. न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है .... के लिये।
(A) न्याय के उद्देश्य
(B) न्यायालय की प्रक्रिया के दुरूप्रयोग को रोकना
(C) (A) और (B) दोनो
(D) या तो (A) या (B)

60. सी0 पी0 सी0 की कौन सी धारा न्यायालय फीस के भुगतान/अदायगी से सम्बंधित है ?
(A) धारा 141
(B) धारा 144
(C) धारा 149
(D) धारा 163

61. संहिता की किस धारा मे समय का बढ़ाया जाना वर्णित है ?
(A) धारा 141
(B) धारा 148
(C) धारा 151
(D) धारा 158

62. न्यायालय की अंतर्निहित शक्तियों से सम्बंधित वाद है –
(A) पदम सेन बनाम उ0 प्र0 राज्य
(B) मनोहर लाल बनाम सेठ हीरा लाल
(C) रामचन्द बनाम कन्हैया लाल
(D) उपरोक्त सभी

63. पद "न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियो" के लिये, दीवानी प्रक्रिया संहिता है, एक –
(A) प्रक्रियात्मक विधि
(B) विशेषण विधि
(C) (A) और (B) दोनो
(D) उपरोक्त मे कोई नही

64. Mode of executing a decree is arrest and detention in Civil poison of the Judgment debtor under which section of code ?
(A) Section 51 (A)
(B) Section 51 (C)
(C) Section 91 (A)
(D) Section 91 (C)

64. संहिता की किस धारा के अन्तर्गत डिक्री को निष्पादित करने का तरीका निर्णीत ऋणी की गिरफ्तारी तथा सिविल (दीवानी) कारागार में निरोध है ?
(A) धारा 51 (क)
(B) धारा 51 (ग)
(C) धारा 91 (क)
(D) धारा 91 (ग)

65. The expression "any person bound by the decree' includes -
(A) Judgement debtor
(B) Any other person bound by such Degree
(C) (A) as well as (B)
(D) (A) & (B) Both

65. वाक्यांश "डिक्री द्वारा बाध्य कोई भी व्यक्ति" में शामिल है–
(A) निर्णीत ऋणी
(B) ऐसी डिक्री से बाध्य कोई अन्य व्यक्ति
(C) (A)के साथ साथ (B)
(D) (A) और (B) दोनों

66. The ambit & scope of the Rules of code for Delivery of immovable property has been appropriately explained in the case of -
(A) Sawai Singh Vs. Union of India
(B) Sheikh Yusuf Vs. Jyotish Chandra
(C) Shamsuddin Vs. Abbas Ali
(D) All of above

66. अचल सम्पत्ति की सुपुर्दगी के लिये संहिता के नियमो की परिधि तथा विस्तार को किस वाद में उचित रूप से समझाया गया –
(A) सवई सिंह बनाम भारत संघ
(B) शेख युशुफ बनाम ज्योतिष चन्द्र
(C) शमसुद्दीन बनाम अब्बास अली
(D) उपरोक्त सभी

67. Where decree is for any specific movable property it May be executed by -
(A) Seizure & Delivery of Property
(B) Detention of the Judgement debtor
(C) Attachment & sale of his property
(D) All of above

67. जब डिक्री किसी विशिष्ट चल सम्पत्ति के लिये है, उसे निष्पादित किया जा सकता है –
(A) सम्पत्ति को जब्ती तथा सुपुर्दगी द्वारा
(B) निर्णीत ऋणी के निरोध द्वारा
(C) उसकी सम्पत्ति की कुर्की तथा बिक्री द्वारा
(D) उपरोक्त सभी

68. Case related to Mode of execution and discretion of court is/are -

(A) Anandi Lal Vs. Ram Swarup

(B) Man Mohan Vs. Upendra Mohan

(C) Either (A) or (B)

(D) (A) & (B) Both

68. निष्पादन के प्रकार/रीति तथा न्यायालय के विवेकाधिकार से सम्बन्धित वाद है –

(A) आनन्दी लाल बनाम राम स्वरूप

(B) मनमोहन बनाम उपेन्द्र मोहन

(C) या तो (A) या (B)

(D) (A) और (B) दोनो

69. Case related to Mode of execution of decrees is/are -

(A) P.R. Sugar works Vs. Land Reforms Commis.

(B) Vidyavati Vs. Devi Das

(C) Rama Iyer Vs. Sundaresa

(D) All of above

69. डिक्री के निष्पादन के प्रकार/रीति से सम्बन्धित वाद है –

(A) पी0 आर0 सुगर वर्क्स बनाम भूमि सुधार कमिश0

(B) विद्यावती बनाम देवी दास

(C) रामा अय्यर बनाम सुन्दरेशा

(D) उपरोक्त सभी

70. Which section of code allows more than one mode of execution of decrees ?

(A) Section 50

(B) Section 51

(C) Section 52

(D) Section 53

70. संहिता की कौन सी धारा निष्पादन के एक से अधिक प्रकार रीति/अनुमन्य करती है ?

(A) धारा 50

(B) धारा 51

(C) धारा 52

(D) धारा 53

71. Case related to stay of execution is/are -

(A) Shaukat Hussain Vs. Bhuneshwari Devi

(B) Krishna Singh Vs. Mathura Ahir

(C) Judhistir Vs. Surendra

(D) All of above

71. निष्पादन के संगठन से सम्बंधित वाद है/हैं–

(A) शौकत हुसैन बनाम भुनेश्वरी देवी

(B) कृष्णा सिंह बनाम मथुरा अहीर

(C) जुधिष्ठिर बनाम सुरेन्द्र

(D) उपरोक्त सभी

72. Which execution application order will not operate as res-Judicata ?

(A) Being pre mature

(B) Being not Maintainable

(C) Default by appearance

(D) All of above

72. कौन से निष्पादन आवेदन का आदेश प्राग्न्याय/पूर्वन्याय के रूप में कार्य नही करेगा?

(A) समयपूर्व होना

(B) पोषणनीय न होना

(C) उपस्थिति/हाजिर का दोष

(D) उपरोक्त सभी

73. Which Amendment Act specifically provides that the provisions of"res judicata" will apply to execution proceeding also ?

(A) Amendment Act of 1951

(B) Amendment Act of 1976

(C) Amendment Act of 1991

(D) Amendment Act of 2002

73. कौन सा संशोधन अधिनियम विशेष रूप से यह प्रावधान करता है कि "पूर्वन्याय/प्राग्न्याय" के प्रावधान निष्पादन कार्यवाही पर भी लागू होगें ?

(A) संशोधन अधिनियम 1951

(B) संशोधन अधिनियम 1976

(C) संशोधन अधिनियम 1991

(D) संशोधन अधिनियम 2002

74. The period of Limitation for the execution of a decree for mandatory injunction is ____from the date of decree.

(A) 03 Years

(B) 06 Years

(C) 09Years

(D) 12 Years

74. अनिवार्य निषेधाज्ञा की डिक्री के निष्पादन के लिये परिसीमा की अवधि .... डिक्री की दिनांक से है।

(A) 03 वर्ष

(B) 06 वर्ष

(C) 09 वर्ष

(D) 12 वर्ष

75. The period of Limitation for the execution of a decree (other than mandatory injunction) is ______ from the date of decree.

(A) 03 Years

(B) 06 Years

(C) 09 Years

(D) 12 Years

75. डिक्री के निष्पादन के लिये परिसीमा की अवधि (अनिवार्य निषेधाज्ञा के अलावा) डिक्री की तारीख से .... है।

(A) 03 वर्ष

(B) 06 वर्ष

(C) 09 वर्ष

(D) 12 वर्ष

76. Case related to Notice of execution is/are -
(A) Amarchand Vs. Bhano
(B) Jiwani Vs. Ramanna
(C) Narayana Vs. Raj Kishore
(D) All of above

76. निष्पादन के नोटिस (समन) से सम्बंधित वाद है –
(A) अमरचन्द बनाम भानो
(B) जीवानी बनाम रमन्ना
(C) नारायना बनाम राज किशोर
(D) उपरोक्त सभी

77. As a general Rule Notice to be issued for execution is-
(A) Required
(B) Not Required
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

77. साधारण नियम के तहत "निष्पादन की नोटिस जारी किया जाना"–
(A) आवश्यक है।
(B) आवश्यक नही है।
(C) (A) और (B) दोनो
(D) उपरोक्त मे कोई नही

78. Case related to "A real beneficiary may also maintain an execution application." -
(A) S.K. Sinha Vs. J.P. Dutta
(B) Chunnilal Vs. Mulchand
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

78. "एक वास्तविक लाभार्थी भी निष्पादन प्रार्थनापत्र का अनुरक्षण कर सकता है।" से सम्बंधित वाद है –
(A) एस0 के0 सिन्हा बनाम जे0 पी0 दत्ता
(B) चुन्नीलाल बनाम मुलचन्द
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपरोक्त मे कोई नही

79. If an execution application is not in the proper form, the defect is -
(A) Vital
(B) Material
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

79. यदि एक निष्पादन प्रार्थनापत्र समुचित प्रपत्र में नहीं है, तो त्रुटि/विकार है –
(A) महत्वपूर्ण
(B) वस्तुगत
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपरोक्त मे कोई नही

80. An Application for execution shall be in form No. -
(A) No. – 6 (E)
(B) No. – 6 (F)
(C) No. – 6 (G)
(D) No. – 7 (G)

80. किस फार्म (प्रपत्र) सं0 मे निष्पादन प्रार्थना पत्र होना चाहिये –
(A) सं0 6 (ढ)
(B) सं0 6 (च)
(C) सं0 6 (छ)
(D) सं0 7 (छ)

81. Case related to Judgment debtor is/are -
(A) Jagdish dutt Vs. Dharampal
(B) Brajbasi Vs. State of U.P.
(C) Desh Bandhu Vs. Ralia Ram
(D) All of above

81. निर्णीत ऋणी से सम्बन्धित वाद है/हैं–
(A) जगदीश दत्त बनाम धरमपाल
(B) ब्रजवासी बनाम उ0 प्र0 राज्य
(C) देश बन्धु बनाम रलिआ राम
(D) उपरोक्त सभी

82. Against whom execution May be taken out ?
(A) Surety of Judgement Debtor.
(B) Person claiming under the Judgment debtor.
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

82. किसके विरूद्ध निष्पादन किया जा सकता है ?
(A) निर्णीत ऋणी का प्रतिभू
(B) निर्णीत ऋणी के तहत दावा करने वाला व्यक्ति
(C) (A) और (B) दोनो और
(D) उपरोक्त मे कोई नही

83. Who can file an application for execution ?
(A) Decree holder
(B) Any person claiming under the decree holder
(C) (A) & (B) Both
(D) Neither (A) or (B)

83. निष्पादन प्रार्थनापत्र कौन दाखिल कर सकता है ?
(A) डिक्री धारक
(B) डिक्री धारक के तहत दावा करने वाला कोई भी व्यक्ति
(C) (A) और (B) दोनो
(D) ना तो (A) ना (B)

84. A foreign Judgement can be executed in India when it has been given by a court in ____ .
(A) Reciprocating territory
(B) Non-reciprocating territory
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

84. एक विदेशी निर्णय भारत में तभी प्रवर्तित या लागू होगा, जब वो दिया गया हो एक न्यायालय द्वारा जो कि .... में हो।
(A) पारस्परिक क्षेत्र
(B) गैर पारस्परिक क्षेत्र
(C) (A) और (B) दोनो
(D) उपरोक्त में कोई नही।

85. A foreign Judgement or decree Shall Pass ____ tests to be enforced in India.

(A) Five
(B) Six
(C) Seven
(D) Eight

85. एक विदेशी निर्णय या डिक्री को भारत में प्रवर्तित/लागू होने के लिये......... टेस्ट पास करने होगें।

(A) पाँच
(B) छः
(C) सात
(D) आठ

86. A foreign decree is defined in ___ of C.P.C.

(A) Explanation II to Section 44A
(B) Explanation I to Section 44A
(C) Explanation II to Section 41A
(D) Explanation I to Section 41A

86. एक विदेशी डिक्री वर्णित है सी0 पी0 सी0 की .... में ।

(A) धारा 44 (क) का द्वितीय स्पष्टीकरण
(B) धारा 44 (क) का प्रथम स्पष्टीकरण
(C) धारा 41 (क) का द्वितीय स्पष्टीकरण
(D) धारा 41 (क) का प्रथम स्पष्टीकरण

87. In which case supreme court dealt with the provisions of C.P.C. relating to execution of orders and decree ?

(A) Atul Dixit Vs. State of U.P.
(B) Ghanshyam Das Vs. Anant Kumar Sinha
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

87. किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने आदेशों तथा डिक्री के निष्पादन के संदर्भ में सी0पी0सी0 के प्रावधानों पर प्रकाश डाला ?

(A) अतुल दीक्षित बनाम उ0प्र0 राज्य
(B) घनश्याम दास बनाम अनंत कुमार सिन्हा
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपरोक्त मे कोई नहीं।

88. Term execution is defined in C.P.C -

(A) Section 37
(B) Section 38
(C) Section 39
(D) None of above

88. शब्द निष्पादन को सी0पी0सी0 में परिभाषित किया गया है –

(A) धारा 37
(B) धारा 38
(C) धारा 39
(D) उपरोक्त मे कोई नही

89. Which Rule/Rules of C.P.C. under order 21 deals with execution Application ?
(A) Rules 10 to 25
(B) Rules 105 to 106
(C) (A) & (B) Both
(D) None of above

90. Case related to – "The execution court has power to mould the relief granted to the plaintiff in accordance with the changed circumstances." is/are -
(A) Yashpal Singh Vs. Addl. District Judge
(B) Jai Narayan Vs. Kedarnath
(C) Mahadeo Prasad Vs. Ram Lochan
(D) All of above

91. Case related to Principle "An executing court cannot go beyond the decree" is/are -
(A) Hira Lal Vs. Raman Lal
(B) Ramaswami Vs. Kailasa
(C) Jai Narain Vs. Kedarnath
(D) All of above

92. Case related to Principle "no court can execute a decree in respect of property situate entirely outside its Local Jurisdiction" is/are -
(A) Premchand Vs Makhoda Devi
(B) Tarachand Vs Mishri Lal
(C) Bhagwati prasad Vs Jain Narayan
(D) All of above

89. सी0पी0सी0 के आदेश 21 के/का कौन नियम निष्पादन आवेदनपत्र से सम्बंधित है ?
(A) नियम 10 से 25
(B) नियम 105 से 106
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपरोक्त में कोई नही

90. "निष्पादन न्यायालय के पास वादी को दी गई राहत को परिवर्तित परिस्थितियों के अनुसार ढालने की शक्ति है।" से सम्बन्धित वाद है –
(A) यशपाल सिंह बनाम अपर जिला न्यायाधीश
(B) जय नारायन बनाम केदारनाथ
(C) महादेव प्रसाद बनाम राम लोचन
(D) उपरोक्त सभी

91. "एक निष्पादन न्यायालय डिक्री से परे नही जा सकता" सिद्धान्त से सम्बन्धित वाद है –
(A) हीरा लाल बनाम रमन लाल
(B) रामास्वामी बनाम कैलाशा
(C) जय नारायन बनाम केदारनाथ
(D) उपरोक्त सभी

92. "कोई भी न्यायालय पूर्णतया अपने स्थानीय क्षेत्राधिकार के बाहर स्थित सम्पत्ति के सम्बंध में एक डिक्री निष्पादित नही कर सकती।" के सिद्धान्त से सम्बन्धित वाद है –
(A) प्रेमचन्द बनाम मखोदा देवी
(B) ताराचन्द बनाम मिश्री लाल
(C) भगवती प्रसाद बनाम जय नारायन
(D) उपरोक्त सभी

93. Which Section of C.P.C. is related to execution of Foreign Decrees in India ?

(A) Section 43

(B) Section 44 (A)

(C) (A) & (B) Both

(D) Either (A) or (B)

94. Which section of C.P.C. is related to execution of Indian decrees in Foreign territory ?

(A) Section 45

(B) Section 46

(C) Section 91

(D) Section 92

95. The decree holder has ____ to get the transfer of execution to another Court.

(A) Substantive right

(B) No-Substantive right

(C) Either (A) or (B)

(D) Neither (A) Nor (B)

96. Provisions of the section 39 of the C.P.C. are -

(A) Mandatory

(B) Not Mandatory

(C) Either (A) or (B)

(D) None of above

93. सी0पी0सी0 की कौन सी धारा विदेशी डिक्रियों के भारत में निष्पादन से सम्बंधित है ?

(A) धारा 43

(B) धारा 44 (क)

(C) (A) और (B) दोनों

(D) या तो (A) या (B)

94. सी0पी0सी0 की कौन सी धारा भारतीय डिक्री के विदेशी क्षेत्र/राज्य मे निष्पादन से सम्बंधित है ?

(A) धारा 45

(B) धारा 46

(C) धारा 91

(D) धारा 92

95. डिक्री धारक के पास निष्पादन को किसी अन्य न्यायालय में स्थानान्तरित करवाने का .... होता है।

(A) विशेष्य/अधिष्ठायी अधिकार

(B) विशेष्य/अधिष्ठायी अधिकार नही

(C) या तो (A) या (B)

(D) ना तो (A) ना (B)

96. सी0पी0सी0 की धारा 39 के प्रावधान है –

(A) अनिवार्य

(B) अनिवार्य नही

(C) या तो (A) या (B)

(D) उपरोक्त मे कोई नही

97. A Court may send the decree for execution to another court ___ by.

(A) Suo motu

(B) Application of decree holder

(C) (A) & (B) Both

(D) Either (A) & (B)

97. एक न्यायालय दूसरे न्यायालय को निष्पादन के लिये डिक्री भेज सकता है .... द्वारा।

(A) स्वतः संज्ञान

(B) डिक्री धारक के प्रार्थनापत्र पर

(C) (A) और (B) दोनो

(D) या तो (A) या (B)

98. In which case it was held "A court which has neither passed a decree, nor a decree is transferred for execution" can execute it ?

(A) Kasturi Rao Vs Mehar Sing

(B) Shyam Singh Vs Dist. Collector Hamirpur

(C) Ghanteshwar Vs Madan Mohan

(D) Vigneshwar Vs Ganga Bai

98. किस वाद में निर्धारित किया गया कि – "एक न्यायालय जिसने न तो कोई डिक्री पारित की है न ही कोई डिक्री निष्पादन के लिये स्थानान्तरित की गयी है, उसे निष्पादित कर सकता है" ?

(A) कस्तूरी राव बनाम मेहर सिंह

(B) श्याम सिंह बनाम डिस्ट्रि0 कलेक्टर हमीरपुर

(C) घण्टेश्वर बनाम मदन मोहन

(D) विग्नेश्वर बनाम गंगाबाई

99. Section 37 defines the expression -

(A) Court which passed a decree

(B) Procedure of execution

(C) Mode of execution

(D) All of above

99. धारा 37 परिभाषित करती है, वाक्यांश को–

(A) न्यायालय जिसने एक डिक्री पारित की।

(B) निष्पादन की प्रक्रिया

(C) निष्पादन का तरीका

(D) उपरोक्त सभी

100. Section 38 of the Civil Procedure code (C.P.C.) enacts that a decree may be executed by -

(A) By the Court which passed it

(B) By the Court to which it is sent for execution

(C) (A) & (B) Both

(D) Either (A) & (B)

100. सिविल प्रक्रिया संहिता (सी0पी0सी0) की धारा 38 अधिनियमित करती है कि एक डिक्री को निष्पादित किया जा सकता है –

(A) उसे पारित करने वाले न्यायालय द्वारा

(B) उस न्यायालय द्वारा जिसे वह निष्पादन के लिये भेजी गयी है।

(C) (A) और (B) दोनों

(D) या तो (A) या (B)

******

Rough Work / रफ कार्य

DO NOT OPEN THE QUESTION BOOKLET UNTIL ASKED TO DO SO

1. Examinee should enter his / her roll number, subject and Question Booklet Series correctly in the O.M.R. sheet, the examinee will be responsible for the error he / she has made.
2. **This Question Booklet contains 100 questions, out of which only 75 Question are to be Answered by the examinee. Every question has 4 options and only one of them is correct. The answer which seems correct to you, darken that option number in your Answer Booklet (O.M.R ANSWER SHEET) completely with black or blue ball point pen. If any examinee will mark more than one answer of a particular question, then the first most option will be considered valid.**
3. Every question has same marks. Every question you attempt correctly, marks will be given according to that.
4. Every answer should be marked only on Answer Booklet **(O.M.R ANSWER SHEET).**Answer marked anywhere else other than the determined place will not be considered valid.
5. Please read all the instructions carefully before attempting anything on Answer Booklet**(O.M.R ANSWER SHEET).**
6. After completion of examination please hand over the Answer Booklet **(O.M.R ANSWER SHEET)** to the Examiner before leaving the examination room.
7. There is no negative marking.

Note: On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly in case there is an issue please ask the examiner to change the booklet of same series and get another one.